2

मअ़स्मिल्लाहिल मालिकिस्सलामि अल्ला हुम्मल अ हदुल मोअ़ती ल कल हम्दुद्दाइमु ला इलाह इल्लल्लाहु स़ल्लि कामिलवँ व सल्लिम दाइमवँ व करिम सर्मदन अ़लामौलाई कल्ल महुल्लाहु उदउ़ हुवल्लाहु अ हदुन अल्ला हुस्समदु व सा र रसूलुहू अहदवँ व स मदवँ वला व ल द वला वुलि द वमासा र मुआ़दि लल्लहू अ हदूँ वमा व ल द वलदु आ द म कमा व ल द रसूलुहू वमावुलि द व लदु आ द म क औलादिही वमासा र मुआ़दिलल्लहू अहदूँ वहु व रसूलुकल अहदु मुहम्मदुर रसूलुल्लाहि औहदल्लाहु वालिदहू कुल्लल वालिदि वउम्महू कुल्लल उम्मि वआलहू कुल्लल आलि वअ़ला वालिदिही व उम्मिही व आलिही वल्मौला अ़लिय्यिवँ ववलदै अ़लिय्यिवँ वउम्मिहिमा व मुहयिल इस्लामि व आलिही व वालिल इस्लामि व आलिही व अह म द वलीयिल्लाहि व

3

हवारिय्यि वलीयिल्लाहि व आलिही वकुल्लि उममि रसूलिल्लाहि कुल्लल हालि।

मुरादः अल्लाह के इस्म के सहारे कि वही मालिक व सलामी वाला है। ऐ हमारे अल्लाह कि वही अहद है अ़ताावाला है सारी दाइमीहम्द अल्लाह ही केलिए है वाहिद अल्लाह ही इलाह है कामिल दुरूद दाइमीसलाम और सरमदी करम हमारे उस मौला केलिए हो कि अल्लाह उस से कलाम किए कि कहदो कि अल्लाह अहद है अल्लाह स़मद है और उसके रसूल अहद व स़मद हुए मुहाल है कि उस अल्लाह के लिए कोई वालिद हो और मुहाल है कि उस के लिए कोई औलाद हो और मुहाल है कि कोई उस का हम सर हो दूर हट इस गुमाँ से कि आदम की औलाद मौलूद हो उस त़रह़ कि उस का रसूल मौलूद है और सवाल ही मअ़दूम है कि औलादे आदम हो उसके रसूल की औलाद की त़रह़ और दूर रहो इस गुमाँ से कि उस के रसूल का कोई हमसर हो और वह अल्लाह का अहद रसूल मोहम्मद ﷺ अल्लाह का रसूल है अल्लाह वाहिद किए उस रसूल के वालिद को सारे वालिद से और माँ को सारी माओं से और आलोऔलाद को सारी आलो औलाद से और(दुरूदो सलाम)उस रसूल के वालिद केलिए हो और माँ केलिए हो और आल केलिए हो,मौला अ़ली के लिए हो, मौला अ़ली के लाडलों केलिए हो और मौला अ़ली के लाडलों की वालिदह के लिए हो, इस्लाम के मुहयी केलिए हो और आल केलिए हो,इस्लाम के मददगार केलिए हो और आल केलिए हो और अहमद

4

वलीयुल्लाह केलिए हो और वलीयुल्लाह के हमदमों केलिए हो और आल केलिए हो, अल्लाह के रसूल की सारी उमम केलिए हो हर दम।

तौज़ीही तर्जमाः- अल्लाह के इस्म के साथ जो मालिक है सलामती देने वाला है ऐ हमारे अल्लाह तू यक्ता है खूब अ़ता फ़रमाने वाला है तमाम दाइमी तअ़रीफ़ तेरे ही लिए है अल्लाह के सिवा कोई मअ़बूद नहीं तू खूब खूब कामिल दुरूद दाइमी सलाम और सरमदी करम नाज़िल फ़रमा हमारे उस मौला पर कि जिस से तूने फ़रमाया ऐ हबीब ﷺ आप फ़रमादें कि अल्लाह तन्हा है अल्लाह बेनियाज़ है पस तूने अपने रसूल को भी यक्ता और बेनियाज़ फ़रमाया और तू किसी से पैदा नहीं और तेरी कोई औलाद नहीं और तेरा कोई हमसर नहीं पस तूने जिस त़रह़ अपने रसूल की विलादत फ़रमाई वैसी किसी की विलादत नहीं हुई और जिस त़रह़ तूने अपने रसूल को औलाद अ़ता फ़रमाई वैसी किसी की औलाद नहीं और तूने अपने हबीब ﷺ का हमसर किसी को नहीं बनाया और वह तेरे यक्ता रसूल मोहम्मद ﷺ अल्लाह के रसूल हैं कि जिनके वालिद (सय्यिदुना अ़ब्दुल्लाह रदि़यल्लाहु अ़न्हु) को तूने तमाम वालिद में यक्ता बनाया और जिनकी माँ (बी बी आमिना रदि़यल्लाहु अ़न्हा) को तमाम माओं में यक्ता बनाया और जिनकी आलो औलाद को तमाम आलो औलाद में यक्ता बनाया और (दुरूदोसलाम नाज़िल हो)आप ﷺ के वालिद पर और आप ﷺ की वालिदह पर और आल पर, ह़ज़रत मौला अ़ली रदि़यल्लाहु अ़न्हु पर और मौला अ़ली के दोनों

5

लाडलों इमामे ह़सन व इमामे ह़ुसैन अ़लैहिमस्सलाम पर और ह़स्नैन करीमैन की वालिदह ख़ातूने जन्नत सय्यिदह बीबी फ़ातेमा ज़हरा रदि़यल्लाहु अ़न्हा पर और दीन के ज़िन्दा करनेवाले मुहयुद्दीन सय्यिदुना शैख़ अ़ब्दुल क़ादिर जीलानी रदि़यल्लाहुअ़न्हु पर आपकी आल पर और दीन के मददगार ख़्वाजा मोईनुद्दीनह़सनसन्जरी पर आपकी आलपर और ह़ज़रत मख़्दूम सय्यिद अह़मद वलीयुल्लाह पर आप के अस्ह़ाबे रूहानी पर और आलपर,और अल्लाह के रसूल के सारे उम्मतियों पर हर दम।

फ़ज़ीलते सलामे मोहम्मदी ﷺ चहेल मीम ग़ैर मन्क़ूत(24)

यह "सलामे मोहम्मदी ﷺ चहेल मीम" जो कि 40 मीम के साथ बेग़ैर नुक़्ते वाले हुरूफ़ पर मुश्तमिल है इस का तर्जमा भी ग़ैर मन्क़ूत है जिस को समझने के लिए तौज़ीही तर्जमा शामिल है जो शख़्स इस दुरूद को रोज़ाना 40 बार पढ़ने का अपना मअ़मूल बनाएगा उसे अल्लाहो रसूल की मोह़ब्बत और ख़ुश्नूदी ह़ासिल होगी वह और उस के घर वाले नफ़्स और शैत़ान और जिन्नो इन्स के शरों व जुम्ला बलीयात से महफ़ूज़ रहेंगे और उसे नबी करीम ﷺ का दीदार नसीब होगा और वह हमेशा अल्लाह व रसूल की अमान में रहेगा, उस की हर दुआ क़बूल होगी और ईमान पर ख़ातेमा होगा।इन्शाअल्लाह तआ़ला।